नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

शिक्षा में समाज कार्य विषय को मिले महत्व – कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र

समाज कार्य पाठ्यक्रम का भारतीयकरण पर राष्ट्रीय कार्यशाला उदघाटित

वर्धा, 01 जुलाई 2018: शिक्षा में समाज कार्य विषय को अधिक महत्व दिया जाना चाहिए। लोक

कल्याण का विचार तथा भारतीय विचारों की वैश्विक महत्ता को ध्यान में रखकर समाज कार्य के लिए बनाए जाने वाले पाठ्यक्रम तैयार होने चाहिए। अच्छे समाज के निर्माण के लिए समाज कार्य विषय पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। उक्त विचार महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने व्यक्त किये। वे समाज कार्य पाठ्यक्रम के भारतीयकरण पर 29 एवं 30 जून को आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला के उदघाटन सत्र की

अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जाने-माने विद्वान मुकुल

कानिटकर उपस्थित थे। प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, मानविकी एवं समाजविज्ञान विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. मनोज कुमार मंचासीन थे। भारतीय शिक्षा मंडल और विश्वविद्यालय के महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यशाला हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र ने प्रायोजित की थी। स्वागत वक्तव्य प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने दिया। कार्यशाला की रूपरेखा डॉ. विष्णु ने रखी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मिथिलेश कुमार ने किया तथा आभार प्रो. मनोज कुमार ने माना।

मुख्य अतिथि मुकुल कानिटकर ने कहा कि कार्यशाला के दौरान विभिन्न सत्रों के विमर्श के आधार पर समाज कार्य का पाठ्यक्रम तैयार होगा जिसे अन्य विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों को उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि समाज कार्य विषय के पाठ्यक्रम को अकादमिक और व्यावसायिक दृष्टि से उत्कृष्टता प्रदान करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है। व्यवसाय के रूप में समाज कार्य एक नई संकल्पना है। उन्होंने महात्मा गांधी की ग्राम विकास की संकल्पना का हवाला देते हुए कहा कि स्वावलंबी इकाइ के रूप में खड़ा करना समाज कार्य का लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने समाज-सेवा की भारतीय संदर्भ में व्याख्या करते हुए महाभारत, वेद और उपनिषदों को उदाहरण प्रस्तुत किये। कार्यशाला में महाराष्ट्र के अलावा अन्य राज्यों के प्रतिनिधियों तथा अध्यापकों ने भी हिस्सा लिया।